खरगोश के लिए घर

मार्गरेट वाइज ब्राउन, चित्र: गार्थ विलियम्स

“वसंत आया, वसंत आया!”
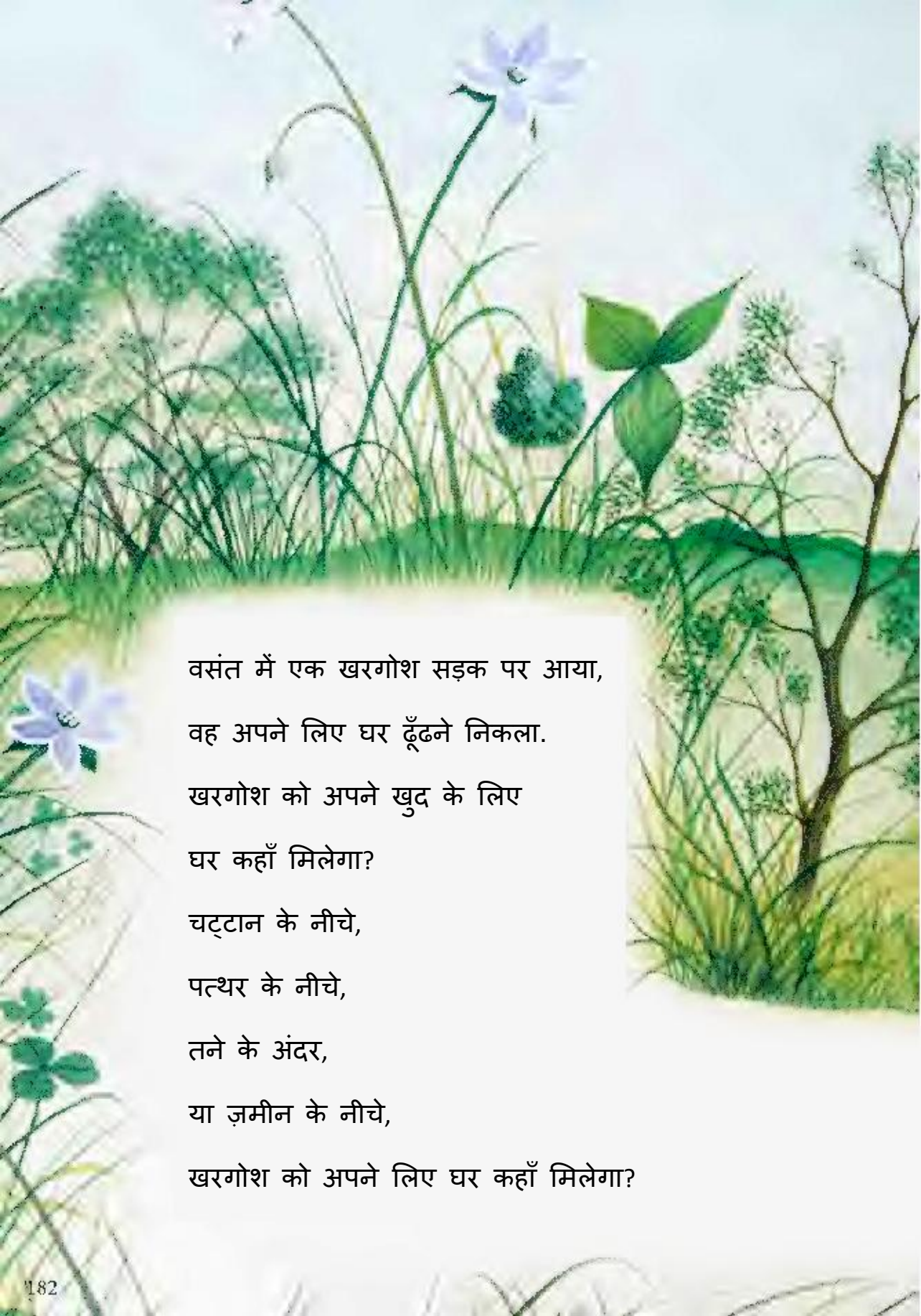
मेंढक ने गाया,

“वसंत आया,” मेंढक ने गाया.

"वसंत आया, वसंत आया!" रोबिन ने गाया,

वसंत आया, कल्ले फूट पड़े,

फूल खिल पड़े,

और रॉबिन पक्षी अपने अंडों से

बाहर निकल आए,

वो वसंत था.

वसंत में एक खरगोश सड़क पर आया,

वह अपने लिए घर ढूँढने निकला.

खरगोश को अपने खुद के लिए

घर कहाँ मिलेगा?

चट्टान के नीचे,

पत्थर के नीचे,

तने के अंदर,

या ज़मीन के नीचे,

खरगोश को अपने लिए घर कहाँ मिलेगा?

"तुम्हारा घर कहाँ है?"

उसने रॉबिन से पूछा.
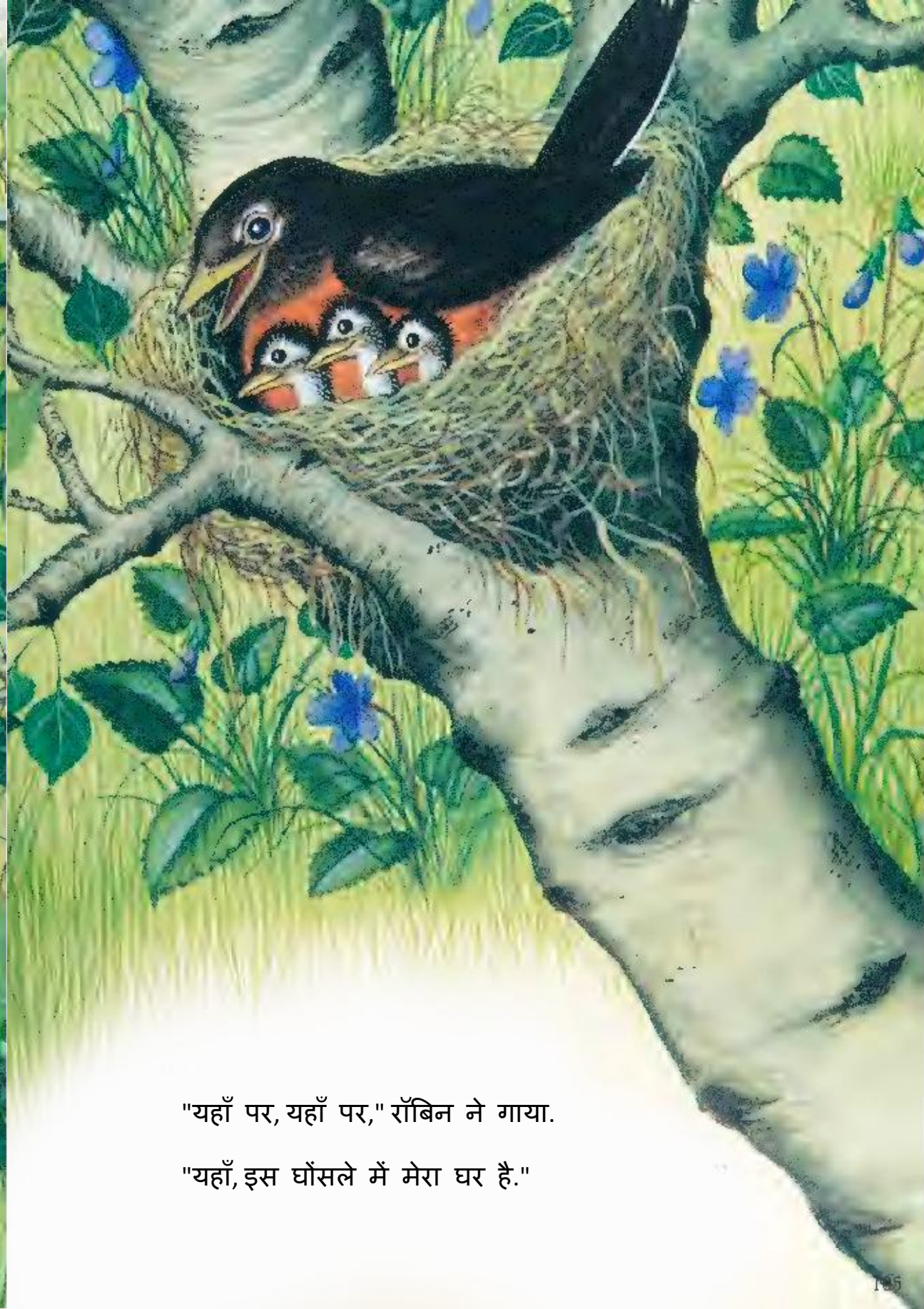
"यहाँ पर, यहाँ पर," रॉबिन ने गाया.

"यहाँ, इस घोंसले में मेरा घर है."

"यहाँ, यहाँ, यहाँ," छोटे रॉबिन पक्षियों ने गाया

जो घोंसले से बाहर गिरने वाले थे.

"यहाँ हमारा घर है."

"वो मेरे लिए ठीक नहीं," खरगोश ने कहा.

"मैं घोंसले से बाहर गिर जाऊँगा,

मैं ज़मीन पर गिर जाऊँगा."
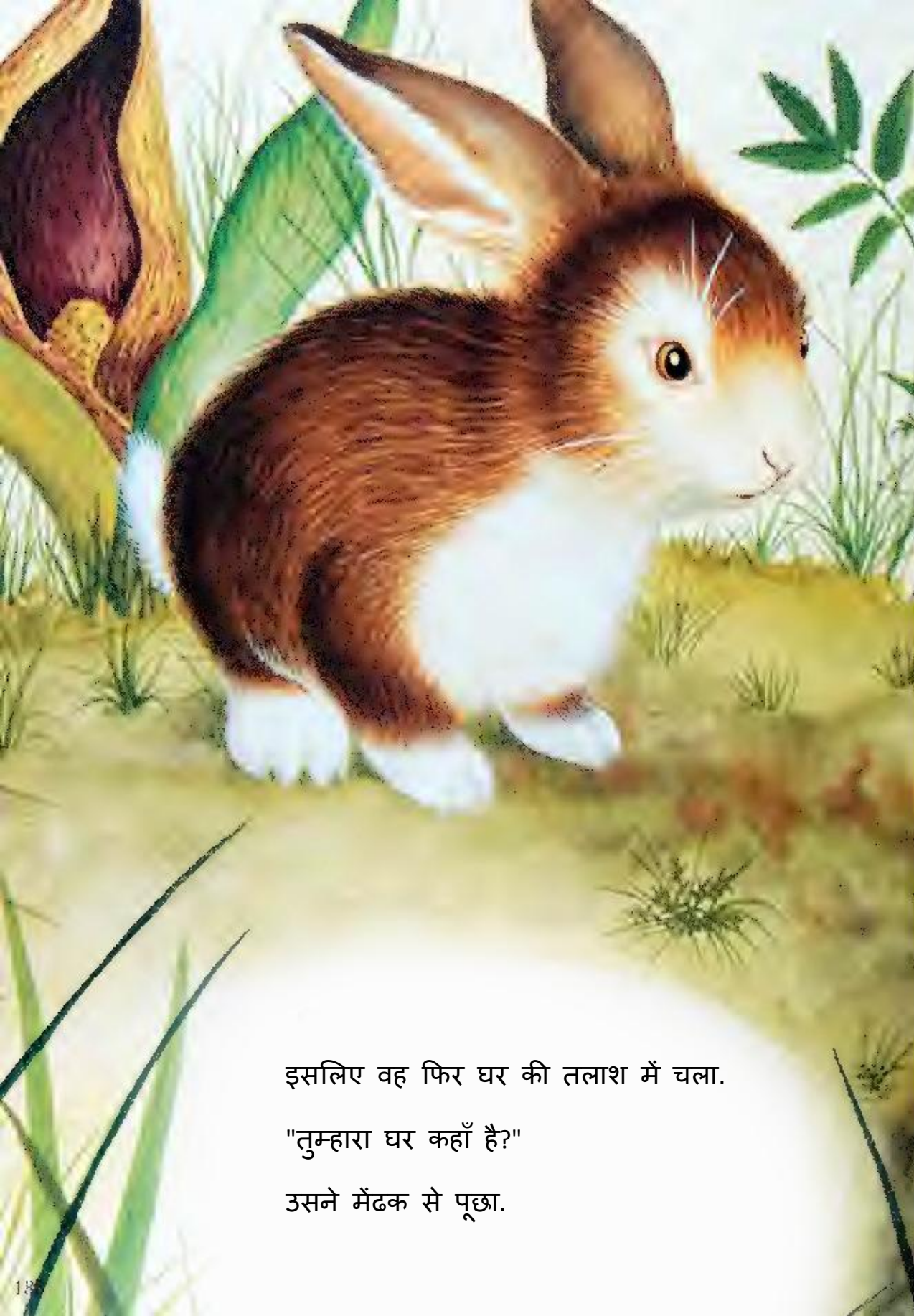
इसलिए वह फिर घर की तलाश में चला.

"तुम्हारा घर कहाँ है?"

उसने मेंढक से पूछा.
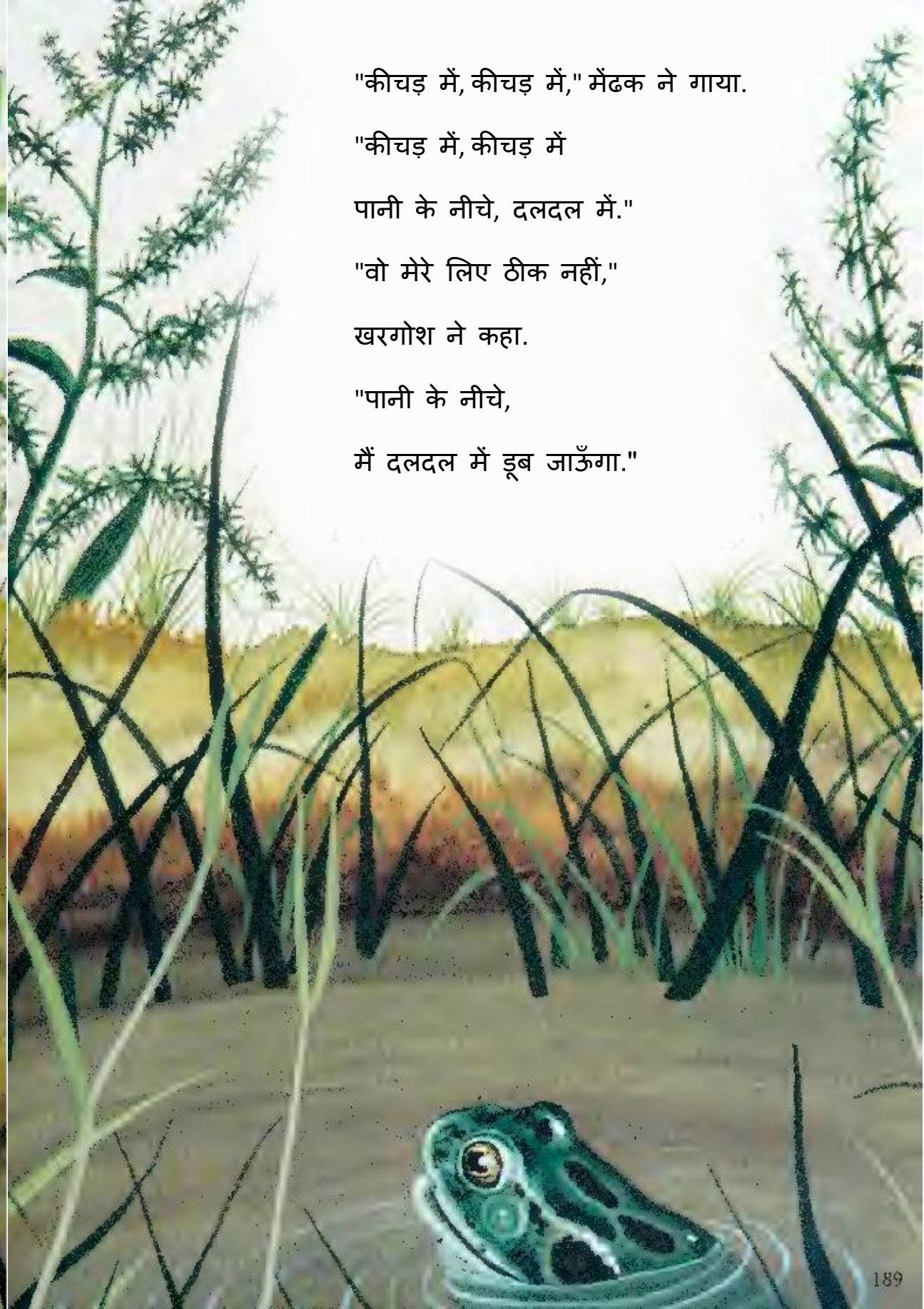
"कीचड़ में, कीचड़ में," मेंढक ने गाया.

"कीचड़ में, कीचड़ में

पानी के नीचे, दलदल में."

"वो मेरे लिए ठीक नहीं,"

खरगोश ने कहा.

"पानी के नीचे,

मैं दलदल में डूब जाऊँगा."
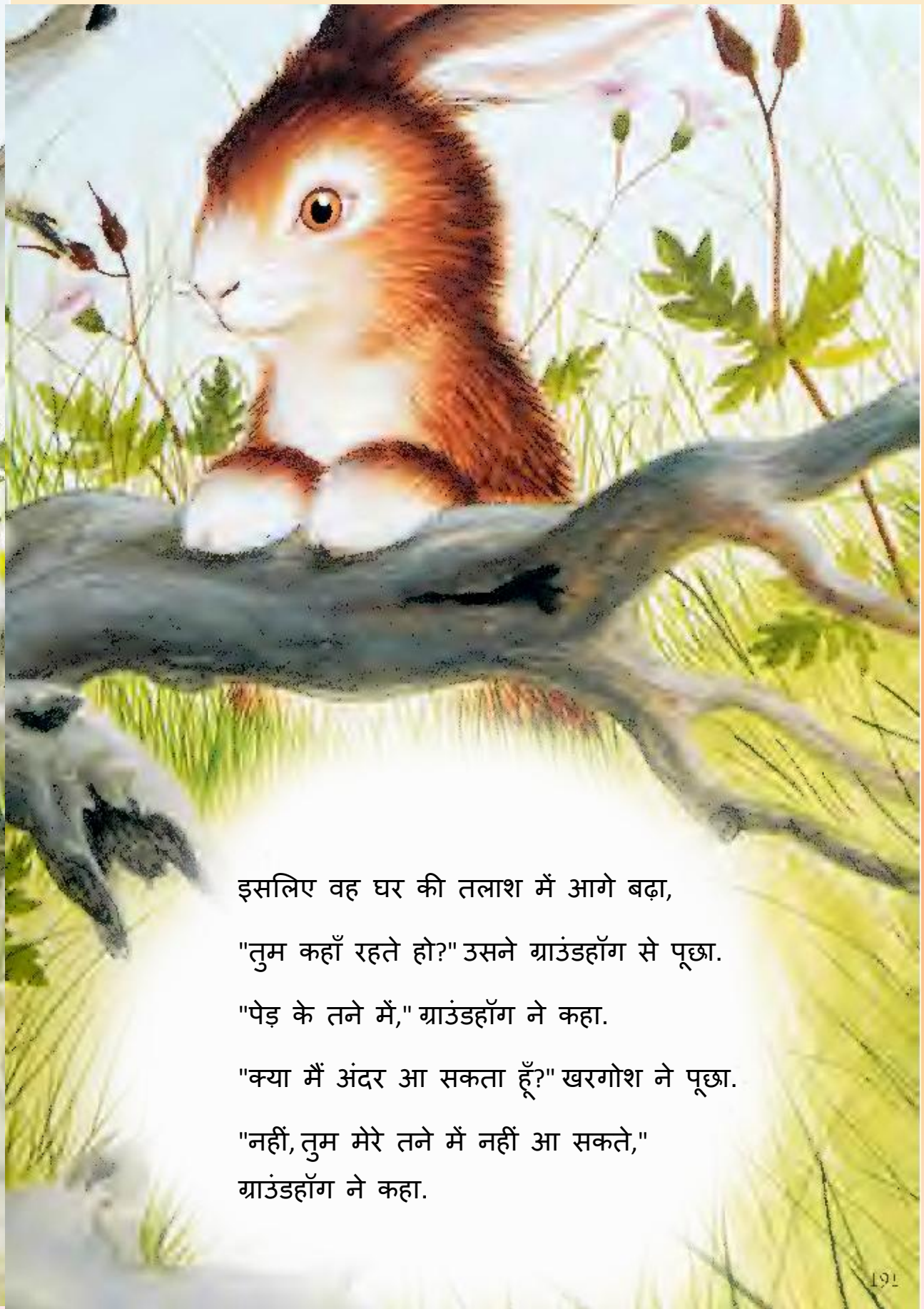
इसलिए वह घर की तलाश में आगे बढ़ा,

"तुम कहाँ रहते हो?" उसने ग्राउंडहॉग से पूछा.

"पेड़ के तने में," ग्राउंडहॉग ने कहा.

"क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?" खरगोश ने पूछा.

"नहीं, तुम मेरे तने में नहीं आ सकते,"
ग्राउंडहॉग ने कहा.

फिर खरगोश सड़क पर आगे बढ़ा,

वो सड़क पर और आगे चलता गया,

वह अपने खुद के लिए घर खोज जा रहा था.

अपने लिए एक घर,

चट्टान के नीचे,

पत्थर के नीचे,

तने के अंदर,

या ज़मीन के नीचे,

खरगोश को घर कहाँ मिलेगा?

सड़क पर वो आगे,

और आगे चलता गया,

जब तक कि—
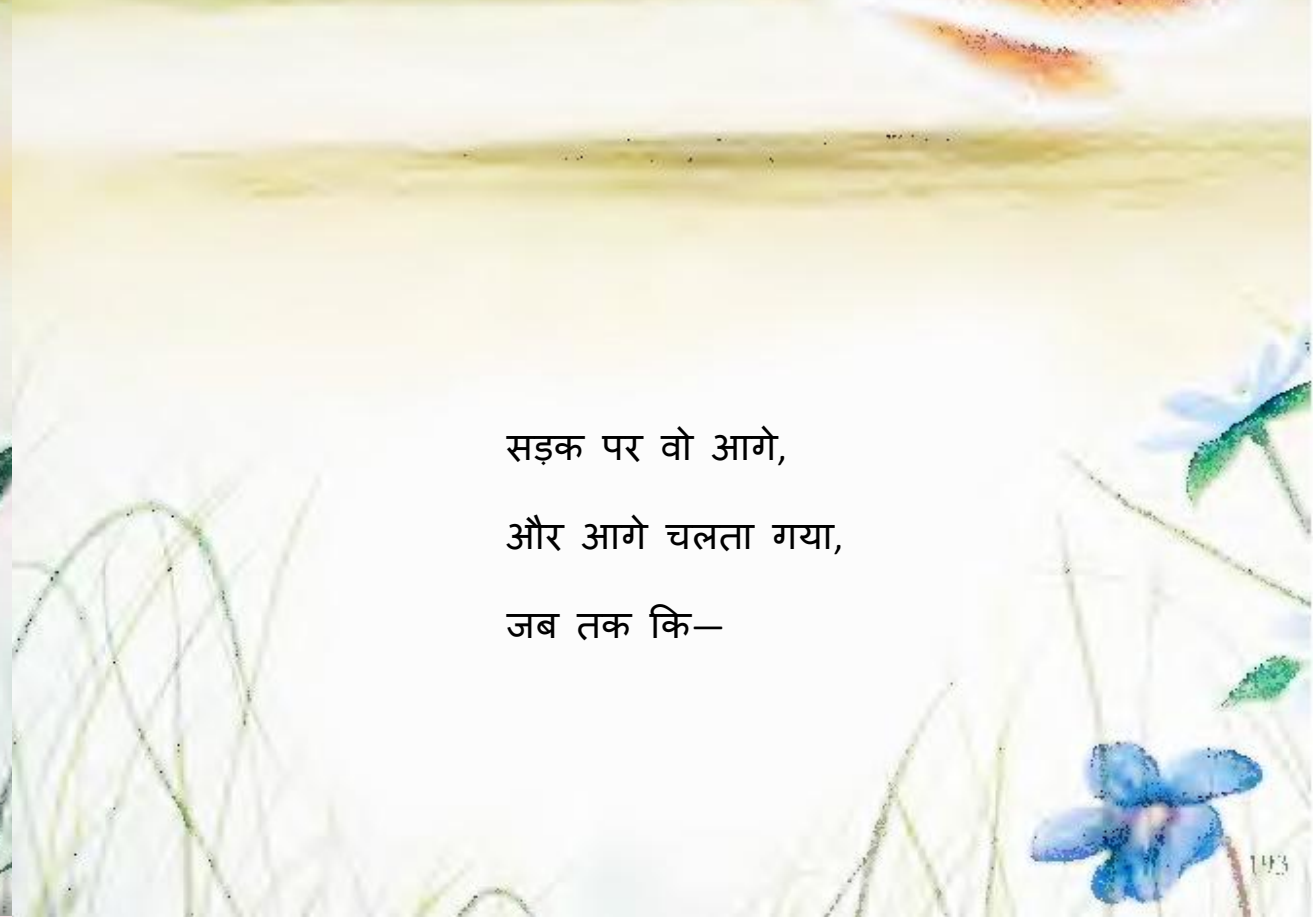
उसे एक खरगोश नहीं मिला.

"तुम्हारा घर कहाँ है?"

उसने खरगोश से पूछा.
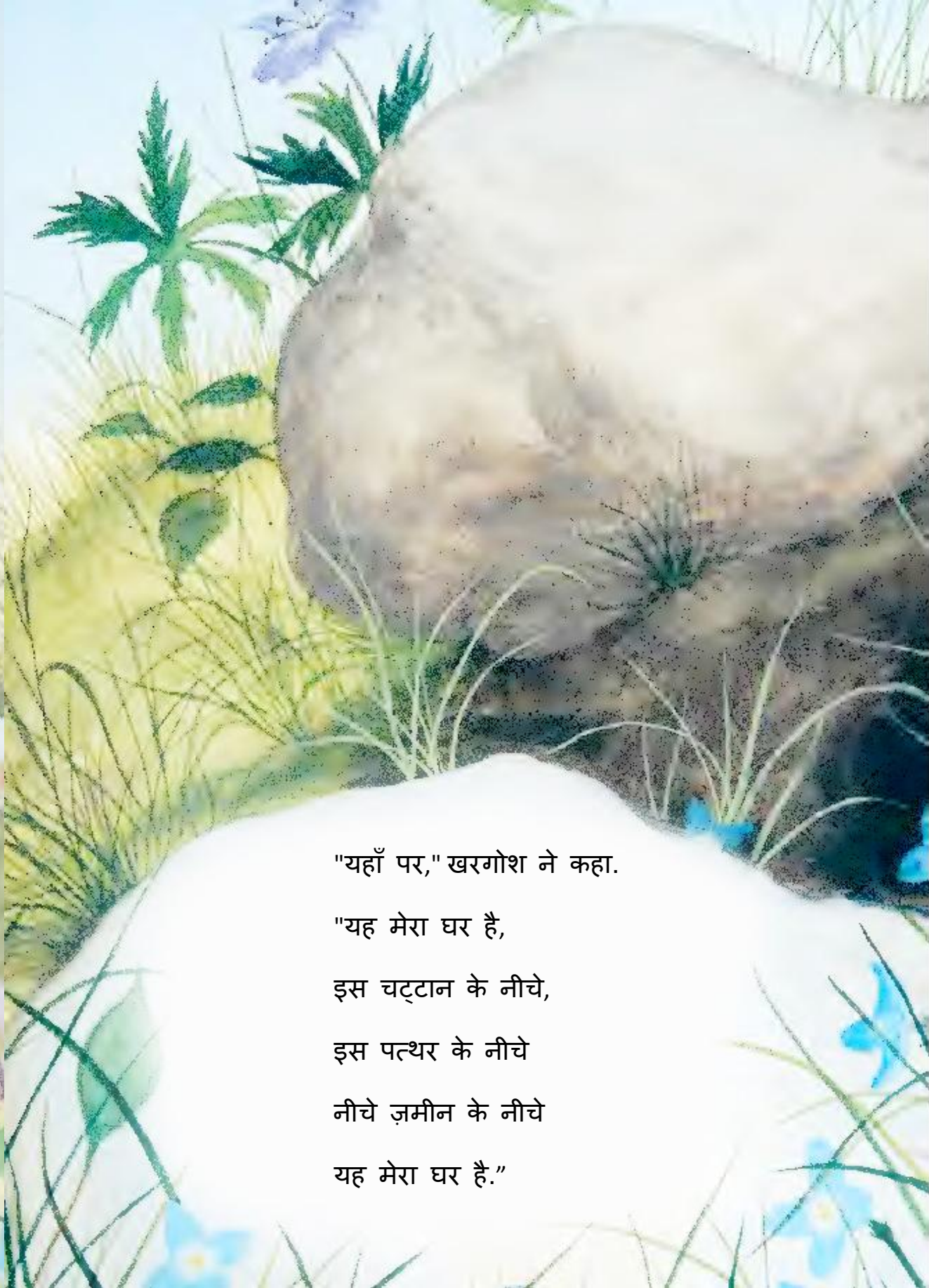
"यहाँ पर," खरगोश ने कहा.

"यह मेरा घर है,

इस चट्टान के नीचे,

इस पत्थर के नीचे

नीचे ज़मीन के नीचे

यह मेरा घर है."
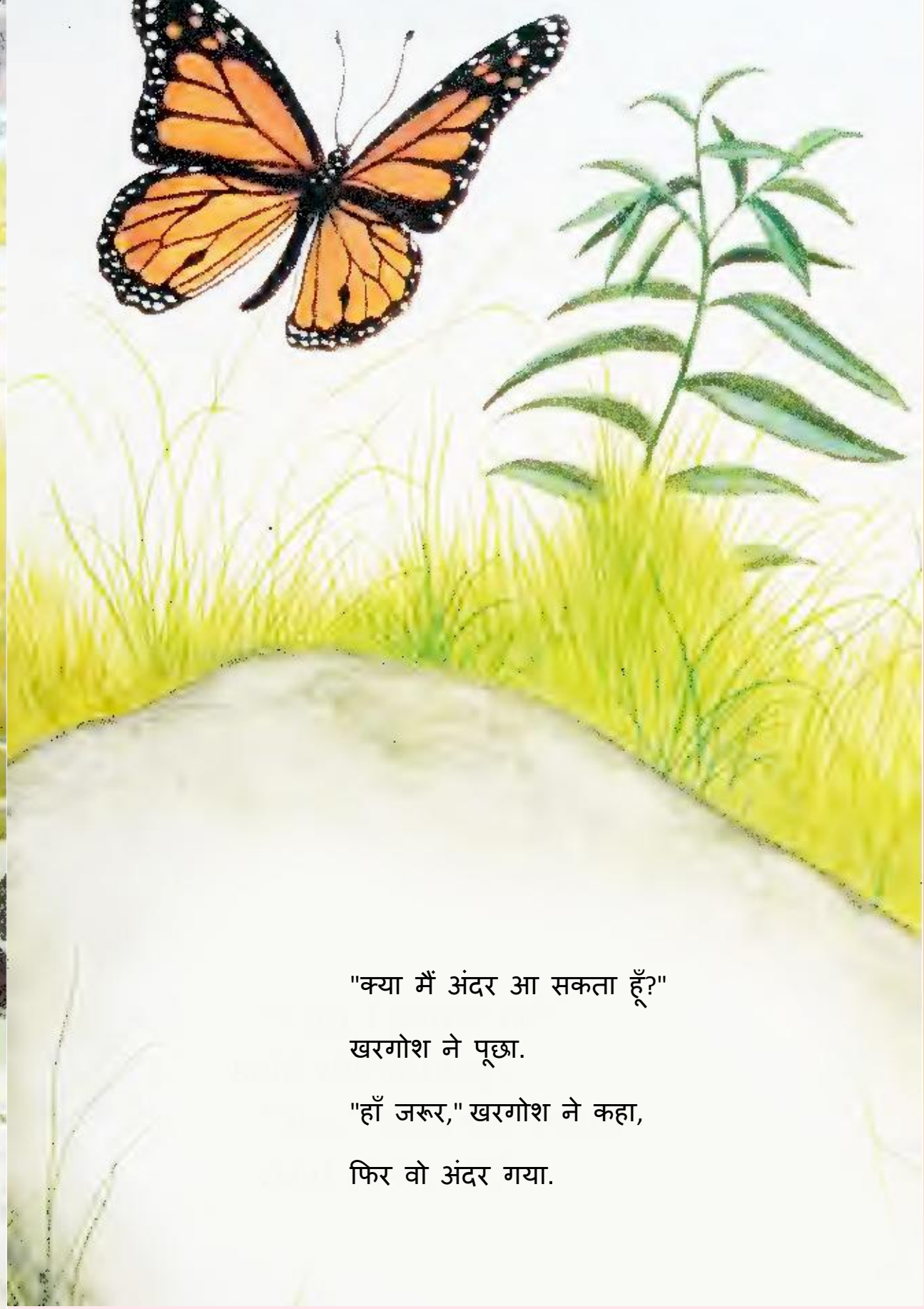
"क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?"

खरगोश ने पूछा.

"हाँ जरूर," खरगोश ने कहा,

फिर वो अंदर गया.

और वो उसका ही घर था.